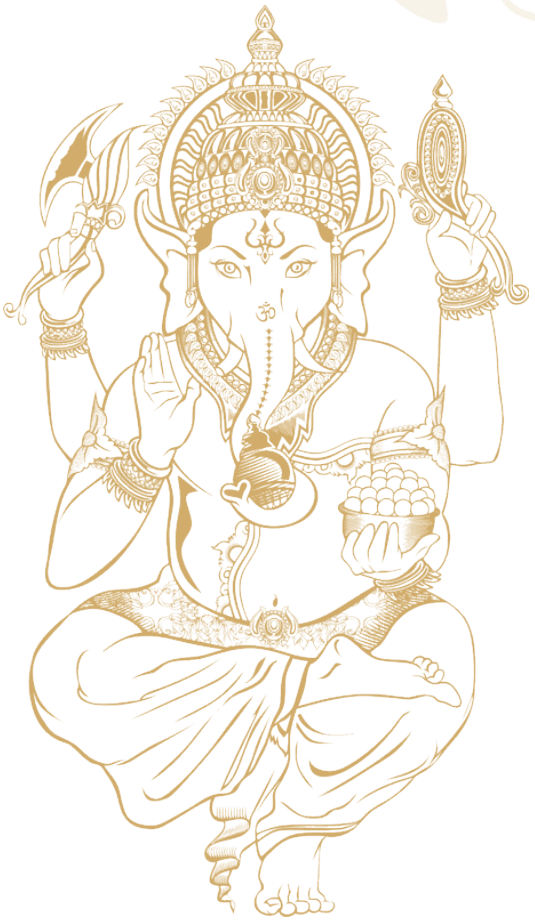

Raman

21 Feb 1976

07:04 PM

Bilaspur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121653102

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**21/02/1976**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**19:04:00 घंटे**
इष्ट	30:10:44 घटी
स्थान	**Bilaspur**
राज्य	Himachal Pradesh
देश	India

अक्षांश	31:18:00 उत्तर
रेखांश	76:48:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:41:12 घंटे
वेलान्तर	-00:13:48 घंटे
साम्पातिक काल	04:43:38 घंटे
सूर्योदय	06:59:42 घंटे
सूर्यास्त	18:13:47 घंटे
दिनमान	11:14:06 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	08:31:33 कुम्भ
लग्न के अंश	20:02:28 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 3**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	ध्रुव
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	ते-तेजवन्त
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	20:02:28	309:33:19	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	राहु	---
सूर्य			कुंभ	08:31:33	01:00:27	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	शत्रु राशि
चंद्र			तुला	28:32:54	13:56:20	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	सम राशि
मंगल			वृष	26:36:39	00:18:28	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	गुरु	सम राशि
बुध			मक	12:45:03	01:11:30	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	सम राशि
गुरु			मीन	29:13:21	00:11:36	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	स्वराशि
शुक्र			मक	08:46:02	01:13:53	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि
शनि	व		कर्क	03:35:47	00:03:34	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	शत्रु राशि
राहु			तुला	22:04:58	00:00:13	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	मित्र राशि
केतु			मेष	22:04:58	00:00:13	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	मित्र राशि
हर्ष	व		तुला	13:33:52	00:00:35	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	---
नेप			वृश्चि	20:17:28	00:00:47	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
प्लूटो	व		कन्या	17:46:59	00:01:11	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	---
दशम भाव			वृष	18:51:30	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:31:39

लग्न-चलित

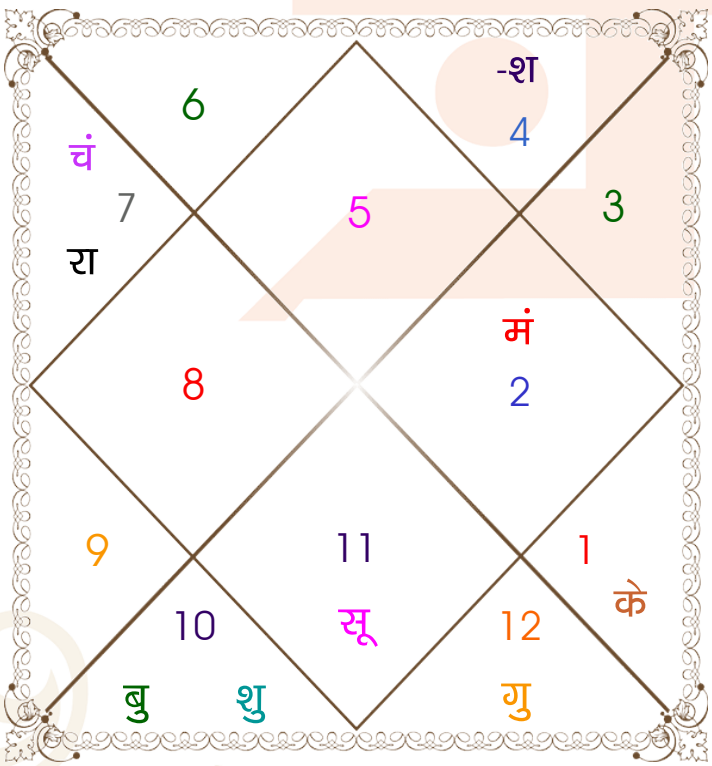

चन्द्र कुंडली

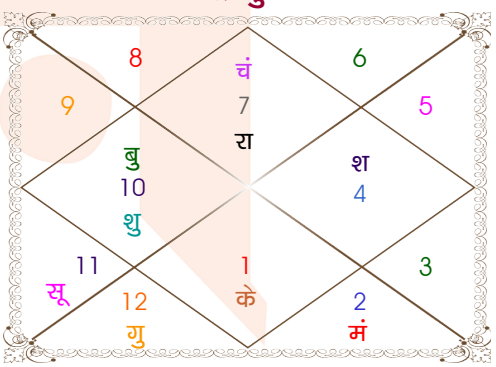

नवमांश कुंडली

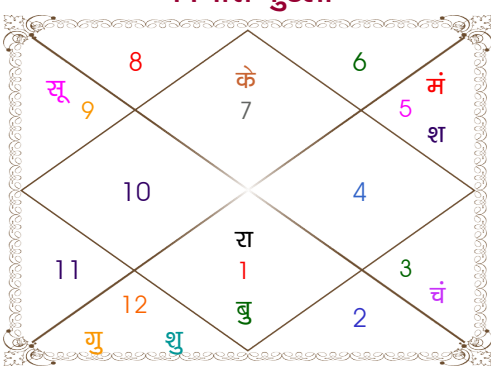

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 5 वर्ष 8 मास 27 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
21/02/1976		19/11/1981		18/11/2000		19/11/2017		18/11/2024	
19/11/1981		18/11/2000		19/11/2017		18/11/2024		18/11/2044	
	00/00/0000	शनि	21/11/1984	बुध	17/04/2003	केतु	17/04/2018	शुक्र	20/03/2028
	00/00/0000	बुध	02/08/1987	केतु	13/04/2004	शुक्र	17/06/2019	सूर्य	20/03/2029
	00/00/0000	केतु	09/09/1988	शुक्र	12/02/2007	सूर्य	23/10/2019	चंद्र	19/11/2030
	21/02/1976	शुक्र	10/11/1991	सूर्य	20/12/2007	चंद्र	23/05/2020	मंगल	19/01/2032
शुक्र	01/06/1976	सूर्य	22/10/1992	चंद्र	20/05/2009	मंगल	19/10/2020	राहु	19/01/2035
सूर्य	20/03/1977	चंद्र	23/05/1994	मंगल	17/05/2010	राहु	06/11/2021	गुरु	19/09/2037
चंद्र	20/07/1978	मंगल	02/07/1995	राहु	04/12/2012	गुरु	13/10/2022	शनि	18/11/2040
मंगल	26/06/1979	राहु	08/05/1998	गुरु	11/03/2015	शनि	22/11/2023	बुध	19/09/2043
राहु	19/11/1981	गुरु	18/11/2000	शनि	19/11/2017	बुध	18/11/2024	केतु	18/11/2044

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
18/11/2044		19/11/2050		18/11/2060		19/11/2067		19/11/2085	
19/11/2050		18/11/2060		19/11/2067		19/11/2085		00/00/0000	
सूर्य	08/03/2045	चंद्र	19/09/2051	मंगल	16/04/2061	राहु	01/08/2070	गुरु	07/01/2088
चंद्र	07/09/2045	मंगल	19/04/2052	राहु	05/05/2062	गुरु	25/12/2072	शनि	20/07/2090
मंगल	12/01/2046	राहु	19/10/2053	गुरु	11/04/2063	शनि	01/11/2075	बुध	25/10/2092
राहु	07/12/2046	गुरु	18/02/2055	शनि	20/05/2064	बुध	20/05/2078	केतु	01/10/2093
गुरु	25/09/2047	शनि	18/09/2056	बुध	17/05/2065	केतु	08/06/2079	शुक्र	21/02/2096
शनि	06/09/2048	बुध	18/02/2058	केतु	13/10/2065	शुक्र	07/06/2082		00/00/0000
बुध	14/07/2049	केतु	19/09/2058	शुक्र	13/12/2066	सूर्य	02/05/2083		00/00/0000
केतु	19/11/2049	शुक्र	20/05/2060	सूर्य	20/04/2067	चंद्र	31/10/2084		00/00/0000
शुक्र	19/11/2050	सूर्य	18/11/2060	चंद्र	19/11/2067	मंगल	19/11/2085		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 5 वर्ष 9 मा 12 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल तुला का नवमांश एवं मेष का द्रेष्काण भी उदित था। सिंह राशीय संबंधित संयोजन से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप पूर्ण शक्ति संपन्न पद पर आसीन होकर, सुव्यवस्थित ढंग से अत्यधिक धन का उपार्जन करेंगे।

आप अत्यंत धैर्यवान एवं मनोयोग पूर्वक किसी बात को श्रवण करने वाले हो। आप अपने अधिकारी को अच्छी प्रकार अनुकूल अनुभव करते हो। वे आप पर पूर्ण विश्वास पूर्वक कार्य भार सौंप देंगे तथा आप योजनानुरूप आदेश का पालन करेंगे। आपका अधिकारी भी आपकी ही तरह का धैर्यवान है जो आपको बहुत बड़ा लाभांश आपके कार्य अनुरूप प्रदान करेगा तथा आपके उदेश्य के अनुसार अपने लक्ष्य तक पहुंचने में पूर्ण सहयोग हेतु अनुकूल प्रमाणित होंगे।

एक बार आप अपने कार्यवश कहीं जाएंगे तो पूर्ण सकारात्मक रूप से कार्य सम्पादन करेंगे तथा किसी भी प्रकार की परेशानी उपस्थित होने पर भी आप संभवतः अल्पकाल में संभावित कार्य को पूर्ण कर लेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में मन्दगति से नहीं चलेंगे। आपको एक स्थान से अन्य भीड़-भाड़ पूर्ण स्थान पर जाने आने में आपका शरीर व्यस्त रहता है। आप एक ही समय कई कार्यकलाप का संचालन करते हैं। इस प्रकार आपकी मनोवृत्ति के अनुकूल एवं उपयुक्त सरकारी सेवा कार्य के अंतर्गत प्रशासनिक स्तर के एवं बड़ी कम्पनी या निगम के उच्च पदाधिकारी, शैक्षणिक कार्य, चित्रकारिता, रेडियों, गायन एवं खेलकूद संबंधी कार्य व्यवसाय प्रतीत होता है।

आप अपनी समझदार पत्नी एवं चुस्त दुरूस्त प्यारी संतान से युक्त आपका परिवारिक जीवन उत्तम एवं भली प्रकार व्यतीत होगा तथा पत्नी एवं संतान आपको बहुत ही स्नेह प्रदान करेंगे। परन्तु आप अपनी जीवन संगिनी की मनोवृत्ति को अनुरूप नहीं सह सकेंगे। क्योंकि आपकी ये आकर्षक आंखें किसी अन्य स्त्री को पसन्द कर उसके साथ प्रेम प्रसंग प्रारंभ करा सकता है। आपको इन शंकाओं के संबंध में स्पष्टीकरण करके अपनी पत्नी को आश्वस्त करना चाहिए ताकि आपका पारिवारिक वातावरण आनन्द प्रदायक हो।

आपके लिए उत्तम धनोपार्जन का समय मुख्यतः 28 वर्ष की आयु से सतत चार वर्षों तक उत्तम रहेगा। जो आपके जीवन का सुन्दर समय प्रमाणित होगा। लेकिन आपकी समस्या यह है कि आप अतिरिक्त व्यय के प्रति समर्पित रहते हैं तथा समाज में प्रतापी एवं प्रभावशाली आयोजनों में सम्मिलित हुआ करेंगे। आपको बहुत पहले से ही उत्तम उन्नति हेतु धन संचय करना चाहिए। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो आपको अपने वृद्धावस्था के लिए धन का अभाव प्रतीत होगा।

आप बहुत अधिक यात्रा करेंगे तथा यात्रा क्रम में आप मित्र मण्डली का विस्तार करेंगे। परिणाम स्वरूप आपको लाभ एवं व्यय समान रूप से प्राप्त होंगे। आपकी सुविधा एवं लाभ हेतु परस्पर आदान-प्रदान करेंगे।

आप दानशील प्रवृति के पुरूष हैं, इस प्रकार की दानशीलता एवं उदारता पूर्ण सहयोग में कोई हिचकिचाहट नहीं रखते तथा कमजोर वर्ग के लोगों की उन्नति हेतु सहायक होंगे। जिसकी वजह से आपको सामाजिक स्तर में प्रसिद्धि प्राप्त होने के अवसर प्राप्त होंगे।

आपके लिए महत्वपूर्ण चेतावनी यह है कि आप अपने दैनिकचर्या की समय सारणी को उपयुक्त नहीं कर सके तो आयु वृद्धि के कारण आप वृद्धावस्था में प्रभावित हो सकते हैं। आप कार्यानुरूप अपने समय का बंटवारा कर लें अर्थात् कार्यानुरूप समय निर्धारित कर लें। ताकि आपको और आपके पारिवारिक सदस्यों को विश्राम प्राप्त हो सके। वर्त्तमान काल आप पूर्ण सामर्थ्य एवं अति सतर्क है। सम्प्रति आप की नसें तेज हैं। अस्तु अनिवार्य रूप विश्राम करने की आदतों में वृद्धि करें। आपको हृदय के रोग, रीढ़ की अथवा ज्वाइंट की हड्डियों के रोग एवं रक्तचाप आदि रोग से सुरक्षित रहने के लिए विश्राम करने की आदते डालना अनिवार्य है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक संभावित एवं अनुकूल प्रतीत होता है। अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।